हिन्दी (प्रश्न-पत्र–II)

(साहित्य)

निर्धारित समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़िए)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएँगे।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

HINDI (PAPER–II)

(LITERATURE)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed in HINDI.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या लगभग 150 शब्दों में कीजिए : 10×5=50

(a) जग हठवाड़ा स्वाद ठग, माया बेसाँ लाई।
रामचरन नीका गही, जिनि जाइ जनम ठगाइ॥
कबीर माया मोहनी, जैसी मीठी खाँड़।
सतगुरु कृपा भई, नहीं तो करती भाँड़॥

(b) नटनंदन मोहन सों मधुकर! है काहे की प्रीत?
जौ कीजै तो है जल, रवि औ जलधर की सी रीति॥
जैसे मीन, कमल, चातक को ऐसे ही गई बीति।
तलफत, जरत, पुकारत सुनु, सठ। नाहिं न है यह रीति॥

(c) बातन्ह मनहि रिझाई सठ जनि घालसि कुल सीख।
राम बिरोध न उबरसि सरन बिष्नु अज ईस॥
की तजि मान अनुज इव प्रभु पद पंकज भृंग।
होहि कि राम सरानल खल कुल सहित पतंग॥

(d) बुद्धि के पवमान में उड़ता हुआ असहाय
जा रहा तू किस दिशा की ओर को निरुपाय?
लक्ष्य क्या? उद्देश्य क्या? क्या अर्थ?
यह नहीं यदि ज्ञात, तो विज्ञान का श्रम व्यर्थ।

(e) तू गा :
मेरे अँधियारे अंतस् में आलोक जगा
स्मृति का
श्रुति का :
तू गा, तू गा, तू गा, तू गा

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) गोस्वामी तुलसीदास रचित 'कवितावली' के उत्तरकाण्ड की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए। 20

(b) जायसी के 'पद्मावत' के सिंहलद्वीप खण्ड की भावभूमि स्पष्ट कीजिए। 15

(c) "'भारत-भारती' में वर्तमान की त्रासदीपूर्ण स्थिति, वैभवपूर्ण भव्य विरासत एवं उन्नत भविष्य की कामना करते हुए राष्ट्रीयता का स्वर मुखरित हुआ है।" इसे उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए। 15

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) जयशंकर प्रसाद रचित 'कामायनी' के महाकाव्यत्व का विश्लेषण कीजिए। 20

(b) 'भ्रमरगीत सार' के आधार पर सूरदास की काव्य-चेतना एवं कवित्व की सोदाहरण विवेचना कीजिए। 15

(c) 'कुकुरमुत्ता' की प्रगतिशील चेतना की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए। 15

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) ''बिहारी की कविता शृंगारी है पर प्रेम की उच्च भूमि पर नहीं पहुँच पाती।'' इस कथन की सार्थकता पर प्रकाश डालिए। 20

(b) '''असाध्य वीणा' में अज्ञेय के कवि-कर्म का क्रमिक विकास विभिन्न स्तर पर अभिव्यक्त हुआ है।'' सम्यक् विवेचना कीजिए। 15

(c) ''युद्ध की समस्या मनुष्य की सारी समस्याओं की जड़ है।'' इस कथन के आलोक में दिनकर के 'कुरुक्षेत्र' का मूल्यांकन कीजिए। 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या लगभग *150* शब्दों में कीजिए : 10×5=50

(a) ''जब कभी वह अपनी पृथक् सत्ता की धारणा से छुटकर—अपने आपको बिल्कुल भूलकर—विशुद्ध अनुभूति मात्र रह जाता है, तब वह मुक्त हृदय हो जाता है। जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञानदशा कहलाती है, इसी प्रकार हृदय की यह मुक्तावस्था रसदशा कहलाती है।''

(b) ''मैं फिर काम शुरू करूँगा—यहीं, इसी गाँव में। मैं प्यार की खेती करना चाहता हूँ। आँसू से भीगी हुई धरती पर प्यार के पौधे लहलहाएँगे। मैं साधना करूँगा, ग्रामवासिनी भारत माता के मैले आँचल तले!''

(c) ''हाँ, दे दिया। अपनी गाय थी मार डाली, फिर किसी दूसरे के जानवर को तो नहीं मारा? तुम्हारी तहकीकात में यही निकलता है तो यही लिखो। पहना दो मेरे हाथों में हथकड़ियाँ। देख लिया तुम्हारा न्याय और तुम्हारे अक्ल की दौड़। गरीबों का गला काटना दूसरी बात है। दूध का दूध और पानी का पानी करना दूसरी बात है।''

(d) ''वह बहुत अद्भुत अनुभव था माँ, बहुत अद्भुत! नीलकमल की तरह कोमल और आर्द्र, वायु की तरह हल्का और स्वप्न की तरह चित्रमय! मैं चाहती थी उसे अपने में भर लूँ और आँखें मूँद लूँ।''

(e) ''उनकी बात कुछ समझ में नहीं आती। हमेशा दो बातें एक-दूसरे से उल्टी कहते हैं। कहते थे कि इस बार मुझे छः-सात महीनों की छुट्टी लेकर आराम करना चाहिए, लेकिन अगर मैं ठीक हूँ तो भला इसकी क्या जरूरत है।''

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) मुंशी प्रेमचंद कृत 'गोदान' भारतीय कृषक-जीवन के वास्तविक धरातल का सटीक चित्रण प्रस्तुत करता है। उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए। 20

(b) आंचलिक उपन्यास के तत्त्वों के आलोक में 'मैला आँचल' उपन्यास की विवेचना कीजिए। 15

(c) 'भारत दुर्दशा' एक प्रतीकात्मक नाटक है। विश्लेषण कीजिए। 15

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) 'आषाढ़ का एक दिन' की नाट्य-वस्तु में मंचन-क्षमता की सुरक्षा, भावना और यथार्थ का सामंजस्य, जीवन की कटुता और असफलता का निरूपण पाया जाता है। इसे स्पष्ट कीजिए। 20

(b) "'दिव्या' उपन्यास का मूल प्रतिपाद्य मार्क्सवादी विचारधारा का प्रतिपादन करना है।" इस मत के पक्ष-विपक्ष में अपना तर्कयुक्त उत्तर देते हुए 'दिव्या' का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। 15

(c) "मन्नू भण्डारी रचित 'महाभोज' उपन्यास राजनीति में पिसते दलित समाज की दास्ताँ का जीवंत दस्तावेज है।" इसे स्पष्ट कीजिए। 15

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) "'स्कंदगुप्त' नाटक राष्ट्रीय उन्नति की संवेदना को प्रकट करता है।" विवेचना कीजिए। 20

(b) 'श्रद्धा-भक्ति' निबंध के आधार पर प्रेम, श्रद्धा एवं भक्ति का अंतःसंबंध स्पष्ट कीजिए। 15

(c) 'चीफ़ की दावत' कहानी नौकरशाही में मानव-मूल्यों का अधःपतन तथा दो पीढ़ी के अंतराल का सूक्ष्म निरूपण पाया जाता है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 15

★★★